Result Mitra Daily Magazine

छत्रपति शिवाजी

हालिया संदर्भ :

- महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी की 35 फीट ऊँची प्रतिमा गिर गई, जिसका उद्घाटन 4 दिसम्बर 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर PM श्री मोदी ने किया था।

शिवाजी छत्रपति :

- 19 Feb 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी किले में जन्म,
- पिता का नाम शाहजी भोंसले एवं माता का नाम जीजाबाई,
- मराठा साम्राज्य के संस्थापक,
- छत्रपति, क्षत्रिय कुलवंत, शाककर्ता जैसी उपाधि
- पिता शाहजी भोंसले बीजापुर सल्तनत के तहत पुणे एवं सूपे के जागीरदार थे।

- बनारस के पंडित गंगाधर ने 1674 में रायगढ के किले में शिवाजी का राज्याभिषेक करवाया था।
- शिवाजी की मृत्यु 1680 में रायगढ किले में हुई तथा अंतिम संस्कार भी वहीं हुआ।

संबंधित मुख्य बातें :

- शिवाजी महाराज ने 17वीं शताब्दी में दक्कन में एक शक्तिशाली मराठा साम्राज्य की स्थापना की, जिसने 19वीं सदी तक दक्षिण-उत्तर भारत के एक बडे हिस्से पर शासन किया।
- शिवाजी के समय बीजापुर, गोलकुंडा एवं अहमदनगर आपस में लडते थे, लेकिन मुगल साम्राज्य के प्रति एकजुट होकर वफादार थे।
- बीजापुर की आदिलशाही सल्तनत के साथ शिवाजी का संघर्ष सिर्फ 16 वर्ष की उम्र में ही शुरू हो गया।
- शिवाजी ने जल्दी ही यह अहसास कर लिया कि दक्कन में सत्ता बनाए रखने में महत्वपूर्ण किलों पर कब्जा करना निर्णायक है।
- यही कारण है कि शिवाजी ने कई किलों को कब्जे में लिया, नवीन किले बनवाए एवं पुराने किलों की मरम्मत करवाई।
- शिवाजी ने लगभग 300 किले बनाए थे।

शिवाजी महाराज के प्रमुख अभियान :

1. 1659-प्रतापगढ का युद्ध :-

- यह युद्ध आदिलशाही सेनापति अफजल खान एवं शिवाजी के सेनाओं के बीच लडा गया।
- प्रसिद्ध हथियार 'बाघ-नख' के द्वारा शिवाजी महाराज ने अफजल खान का ही वध किया था।

Result Mitra

2. 1664-सूरत युद्ध :-

- औरंगजेब जब उत्तर में अभियान में व्यस्त था तो शिवाजी ने मुगल भारत के सबसे अमीर एवं प्रमुख वाणिज्यिक शहर सूरत को लूट लिया।
- इस दौरान उनकी मुठभेड मुगल सेनापति इनायत खान से हुई।

3. 1665-पुरंदर का युद्ध :-

- मराठा एवं मुगलों के बीच लडा गया यह पुरंदर की संधि के साथ समाप्त हुआ।

4. 1670-सिंहगढ की लडाई :-

- पुणे में स्थित अहम मुगल किले को जीतने के शिवाजी के प्रयास के कारण यह युद्ध हुआ।
- यह युद्ध शिवाजी के मित्र एवं सेनापति तानाजी मालुसरे एवं मुगल सेनापति उदयभान राठौर के बीच लडा गया था।

5. 1679-संगमनेर की लडाई :-

- यह शिवाजी का आखिरी युद्ध था।
- यह मराठा एवं मुगल सेना के बीच लडा गया था।

शिवाजी का नजरबंदी :

- 1665 में औरंगजेब की तरफ से राजा जयसिंह ने प्रथम 1 लाख सेना लेकर पुरंदर पहाडी पर हमला कर दिया।
- युद्ध संधि अनुसार समाप्त हुआ और शिवाजी को मुगल राजधानी आगरा ले जाया गया।
- दरबार में औरंगजेब ने शिवाजी को अपमानित किया एवं आगरा किले में नजरबंद कर दिया।

Result Mitra

- शिवाजी एवं पुत्र संभाजी मिठाई की टोकरी में छिपकर किले से निकलने में सफल रहे।
- औरंगजेब ने इस घटना के बाद शिवाजी को 'राजा' की उपाधि दी एवं मराठा भूमि पर उनके अधिकार को भी माना लेकिन तब तक, जब तक शिवाजी मुगलों की सर्वोच्चता स्वीकारे रखेंगे।

गुरिल्ला रणनीति :

- महाराजा प्रताप के बाद शिवाजी ने इस युद्ध-पद्धति का सर्वश्रेष्ठ तरीके से प्रयोग किया।
- शिवाजी के पास सैन्य कर्मी एवं अश्व-सवार भी तुलनात्मक रूप से कम थे।
- इसके अलावा बंदूकों एवं गोला-बारूदों की आपूर्ति के लिये वे पुर्तगालियों पर निर्भर थे।
- उपरोक्त परिस्थितियों के कारण शिवाजी ने पारंपरिक युद्ध के बजाय गुरिल्ला युद्ध-पद्धति को अपनाया।
- इस पद्धति के तहत शिवाजी सेना की छोटी लेकिन अत्यंत बलशाली टुकडी, गतिशील एवं भारी हथियारों से लैस होकर दुश्मन सेना पर तेजी से छुपकर हमला करती एवं जंगलों-पहाडों में गायब हो जाती।

शिवाजी महाराज की नौसेना :

- शिवाजी का साम्राज्य 1656-57 में पश्चिमी तट तक पहुँचा, जिसके बाद उन्होंने नौसेना स्थापित करने का निर्णय लिया।
- नौसेना के द्वारा शिवाजी बंदरगाहों और व्यापारी जहाजों की सुरक्षा एवं समुद्री व्यापार को बढावा देना चाह रहे थे, साथ ही उनका उद्देश्य राजस्व एवं सीमा शुल्क भी प्राप्त करना था।
- शिवाजी द्वारा गठित नौसेना का आदर्श वाक्य "जलमेव यस्य, बलमेव तस्य" (जो समुद्र पर शासन करता है वह सर्व-शक्तिशाली है) था।

Result Mitra

- शिवाजी के नेतृत्व में चरम दौर में नौसेना के पास विभिन्न आकारों के 400 जहाज थे।
- अलग-अलग स्वरूप वाले जहाजों को गुरब, तरांडे, पाल, शिबात और गलबत के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- शिवाजी ने उच्च समुद्र में कभी भी यूरोपीय शक्ति को चुनौती नहीं दी एवं अन्य जहाजों की तरह मराठा जहाज भी पुर्त्तगालियों को कर चुकाते थे।

प्रशासनिक व्यवस्था :

- अस्ट प्रधान नामक मंत्रिपरिषद के द्वारा शिवाजी शासन-प्रशासन चलाते थे।
- पेशवा, मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करता था, जिसे मुख्य प्रधान भी कहा जाता था।
- शिवाजी का साम्राज्य 4 प्रांतों में विभाजित था, जो आगे जिले तथा ग्रामों में विभाजित था।
- देशपांडे ग्राम पंचायतों का प्रमुख होता था।
- 'सर-ए-कारकुन' या प्रांतपति के नेतृत्व में प्रांतों में भी अष्टप्रधान होता था।

राजस्व व्यवस्था :

- राजस्व प्रणाल में कृषि-राजस्व प्रमुख था, जो भूमि को काठी (Rod) द्वारा मापकर निर्धारित की जाती थी।
- शिवाजी की भू-राजस्व प्रणाली मलिक अम्बर की काठी-प्रणाली पर आधारित थी।
- राजस्व के 2 अन्य महत्वपूर्ण स्त्रोत चौथ एवं सरदेशमुखी थे।

➢ **चौथ :**

- यह कुल उपज का एक-चौथाई या 25% होता था।
- यह उन क्षेत्रों से वसूला जाता था, जिन पर मराठा वंशानुगत अधिकार का दावा करते थे।
- चौथ की मूल व्यवस्था यह थी कि मराठा उन क्षेत्रों में आक्रमण नहीं करेंगे, जहाँ से उन्हें चौथ मिलता है।
- कर से प्राप्त धन राज्य-कोष में जमा होता था।

➢ **सरदेशमुखी :**

- यह उन क्षेत्रों से वसूला जाता था, जो मराठा साम्राज्य के अधीन होते थे और यह चौथ से अलग होता था।
- यह कुल उपज का 10% निर्धारित होता था।

सैन्य प्रशासन :

- सैनिकों के लिये नगद एवं 'सरंजामी' दोनों प्रकार से भुगतान किया जाता था।
- सामान्य सैनिकों को नगद वेतन दिया जाता था, जबकि सैनिक-प्रमुखों को सरंजाम (जागीर अनुदान) के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

प्रमुख सैन्य पद :

1. सर-ए-नौबत :- सेनापति
2. किलेदार :- किले की देख-रेख करने वाला,

Result Mitra

3. नायक :- पैदल सेना का नेतृत्व
4. जुमलादार :- 5 नायकों का नेतृत्व

- शिवाजी की सेना में घुडसवार, नौसैनिक एवं पैदल सैनिक शामिल थे।

शिवाजी महोत्सव :

- बाल गंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र सहित पूरे देश में राष्ट्रवादी आंदोलनों की छवि मजबूत करने के लिये तिलक ने शिवाजी महोत्सव मनाने की घोषणा की।
- सर्वप्रथम ऐसा महोत्सव 15 अप्रैल 1896 को मनाया गया।
- तिलक ने बंगाल में स्वदेशी आंदोलन (1905) के दौरान शिवाजी को राष्ट्रवादी नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रस्तुत किया।

भारतीय नेवी का प्रतीक चिन्ह :

- नौसेना के पुराने प्रतीक चिन्ह में सेंट जॉर्ज क्रॉस था, हालांकि 1950 में इसमें बदलाव करते हुए तिरंगा को ध्वज में स्थान दिया गया।
- सितम्बर 2022 में भारतीय नेवी ने नया ध्वज अपनाया, जिसमें से ब्रिटिश सेंट-जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया।
- नए प्रतीक चिन्ह नीले रंग का अष्टकोण है, जो शिवाजी की मुहरों से प्रेरित है।
- ध्वज में प्रतीक चिन्ह के नीचे देवनागरी में “शं नो वरूणः” लिखा है।

Result Mitra